अभ्यास पत्र – 1

विषय : हिंदी **कक्षा - 10** **अप्रैल व मई 2026**

स्पर्श भाग (2)

बड़े भाई साहब

प्रश्न 1 अंग्रेज़ी भाषा के विषय में बड़े भाई साहब के क्या विचार थे?

प्रश्न 2 परीक्षा में प्रथम आने पर लेखक को अपने में क्या बदलाव महसूस हुए ?

साखी

प्रश्न 1 कबीर के दोहों को साखी क्यों कहते हैं ?

प्रश्न 2 कबीर ने निंदक के महत्त्व को किस प्रकार दर्शाया है ?

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

जीवन में सफल वही होता है जो उपयुक्त चुनाव करना जानता है। चुनाव करने में तनिक भी भूल-चूक होने से हानि सुनिश्चित होती है। कुछ चुनाव हमारे वश में नहीं होते, जैसे-माता-पिता का, जन्म-मृत्यु का आदि किंतु कुछ चुनाव हमारे वश में होते हैं, जिन पर हमारी सफलता-असफलता निर्भर करती है, जैसे-अच्छी-बुरी संगति का चुनाव, आलस्य और परिश्रम का चुनाव आदि। 'संगति का चुनाव' इन सब चुनावों में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि इस चुनाव पर हमारा आचरण, कर्म, विचार, भाषा, स्तर, मनुष्यता और हमारी सफलता-असफलता निर्भर करती है। मनुष्य का चित्त बुराइयों और बुरे लोगों की ओर जल्दी आकृष्ट होता है। जिस तरह पानी सदा नीचे की ओर जाता है उसी तरह मनुष्य का मन भी बुराइयों की ओर शीघ्र भागता है। जिस प्रकार ऊँचाई तक जाने में कष्ट उठाना पड़ता है उसी प्रकार अच्छाई की ओर जाने में परिश्रम करना पड़ता है। हम विवेक से काम लेकर अच्छे और बुरे का चुनाव कर सकते हैं और इसी विवेक के आधार पर जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं क्योंकि संगति मनुष्य को संमार्ग की ओर अग्रसर करती है। संगति व्यक्ति को उच्च सामाजिक स्तर प्रदान करती है, विकास के लिए सुमार्ग की ओर प्रेरित करती है, बड़ी-से-बड़ी कठिनाइयों का सफलतापूर्वक सामना करने की शक्ति प्रदान करती है और सबसे बढ़कर व्यक्ति को स्वाभिमान प्रदान करती है। संगति के प्रभाव से पापी पुण्यात्मा और दुराचारी हो जाते हैं। ऋषियों की संगति के प्रभाव से ही वाल्मीकि जैसे भयानक डाकू महान कवि बन गए तथा डाकू अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध की संगति में आने से हत्या, लूटपाट के कार्य को छोड़कर सदाचार के मार्ग को अपनाया। संगति एक प्राण वायु है जिसके संसर्ग मात्र से मनुष्य दयावान, विनम्र, परोपकारी एवं ज्ञानवान बन जाता है।

(क) निम्नलिखित कथन पढ़कर नीचे दिए सही विकल्प का चयन कीजिए जीवन में संगति का चुनाव महत्त्वपूर्ण है क्योंकि

1. इस पर हमारा आचरण निर्भर करता है।
2. इस पर हमारे कर्म निर्भर करते हैं।
3. इस पर हमारी सफलता-असफलता निर्भर करती है।
4. इस पर हमारे विचार निर्भर करते हैं।

विकल्प

(i) केवल 2 सही है
(ii) 1 और 3 सही हैं
(iii) 1, 3 और 4 सही हैं
(iv) 1, 2, 3 और 4 सही हैं

(ख) निम्नलिखित में से किसका चुनाव हमारे वश में नहीं होता ?
(i) अच्छी–बुरी संगति का
(ii) माता–पिता का
(iii) आलस्य और परिश्रम का
(iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) मनुष्य का चित्त किस ओर जल्दी आकृष्ट होता है ?
(घ) गद्यांश में मानव मन की तुलना किससे की गई है ?

मुहावरे

प्रश्न रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए– :

i. विद्यार्थी को केवल …….. नहीं होना चाहिए बल्कि स्वस्थ शरीर और उन्नत मस्तिष्क वाला होनहार युवक होना है।
ii. रामू की शराब की आदत ने उसके परिवार की …….. है।
iii. बेटे के काले कारनामों के कारण रामप्रसाद तो बेचारा …….. गया।
iv. तुम तो कभी दिखाई ही नहीं देते, तुम्हें देखने को तरस गया, ऐसा लगता है कि तुम …….. गए हो।

पदबंध

प्रश्न रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए-

i. धीरे चलने वाली गाड़ियाँ प्रायः देर से पहुँचती हैं।
ii. मीना के आँगन में लगे फूल बहुत ही सुंदर और आकर्षक हैं।
iii. शरारती बच्चों में से कुछ बच्चे कक्षा से बाहर चले गए।
iv. हरे रंग की पुस्तक मेज़ पर रखी है।
v. मुझे छत से चाँद दिखाई दे रहा है।

रचनात्मक लेखन

प्रश्न 'वसुधैव कुटुंबकम्' विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।